दिल्ली पब्लिक स्कूल, जम्मू
पुनरावृत्ति पत्रिका (2019–2020)
वार्षिक परीक्षा

कक्षा : पाँचवीं विषय : हिंदी

उपविषय : पाठ–10 हमने डरना कभी न जाना (कविता), पाठ–12 सच्चा वीर, पाठ–13 हृदय परिवर्तन, पाठ–16 स्वभाव बदलना बड़ा कठिन

व्याकरण : क्रियाविशेषण भेदों सहित, अनेकार्थी शब्द, समश्रुति भिन्नार्थक शब्द, विराम चिह्न, मुहावरे अपठित गद्यांश, अपठित काव्यांश, पठित गद्यांश, अनुच्छेद लेखन, पत्र लेखन

प्र01 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ते हुए पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

किसी भी राष्ट्र की उन्नति उसके नागरिकों पर निर्भर करती है। नागरिकों के समुचित विकास के लिए अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक समाज में उसे सुचारु रूप से चलाने के लिए कुछ नियम बनाए जाते हैं। इन नियमों के पालन से सुव्यवस्था बनी रहती है और समाज उन्नति की ओर अग्रसर होता है। समस्त प्रकृति हमारे सामने अनुशासन का आदर्श प्रस्तुत करती है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र के लिए अनुशासन आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में उन्नति करने के लिए कुछ नियमों का पालन करना पड़ता है। नियमों का पालन अनुशासन के अंतर्गत आता है। खेलकूद, पढ़ाई आदि क्षेत्रों में अनुशासन और परिश्रम के बल पर सफलता प्राप्त की जा सकती है। विद्यार्थी जीवन में तो अनुशासन का विशेष महत्व है। जो विद्यार्थी अपने सारे कार्य समय पर करता है और अनुशासन में रहकर पढ़ाई करता है, वह सफलता प्राप्त करता है। अनुशासित विद्यार्थी ही सभी को प्रिय होता है। अनुशासन का प्रारंभ परिवार से होता है और विद्यालय में इसका विकास होता है। अनुशासन में रहकर ही मनुष्य सफलता प्राप्त करता है। अतः हमें स्वयं अनुशासित रहते हुए दूसरों को भी अनुशासित रहने हेतु प्रेरित करना चाहिए।

क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. समाज उन्नति की ओर कैसे अग्रसर होता है ?
2. कौन–सा विद्यार्थी सफलता प्राप्त करता है ?

ख) निम्नलिखित शब्दों के सही अर्थ चुनकर लिखिए–

1. आवश्यक – सफलता, जरूरी
2. परिश्रम – मेहनत, असंभव

ग) सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. नागरिकों के समुचित विकास के लिए अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। ( )
2. अनुशासन में रहकर मनुष्य सफलता प्राप्त नहीं कर सकता। ( )

घ) सही विकल्प चुनकर लिखिए–

1. प्रकृति हमारे सामने किसका आदर्श प्रस्तुत करती है ?
   अ) विद्यार्थी ब) अनुशासन
2. अनुशासन का प्रारंभ कहाँ से होता है ?
   अ) परिवार ब) विद्यालय

प्र02 निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ते हुए पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

सूरज नित्य समय पर आकर,
दूर अँधेरा कर देता है।
रिमझिम–रिमझिम मेघ बरसकर,
ताल–तलैया भर देता है।

चाँद सितारे जाग–जागकर,
भू–नभ जगमग कर देते हैं।
तरुवर छाया, फल–फूलों से
सबका मन हर लेते हैं।

शीतल पुलक पवन बह–बहकर,
तन–मन पुलकित कर देता है।
दूर थकावट करता सबकी,
नहीं किसी से कुछ लेता है।

औरों की पीड़ा को हरना,
हर मानव का परम धर्म है।
दीन–दुखी की सेवा करना,
सबसे पहला श्रेष्ठ कर्म है।

क) सही विकल्प चुनकर लिखिए–

1. अंधेरा कौन दूर करता है ?
   अ) दीया ब) सूरज स) चाँद
2. ताल–तलैया किससे भर जाती है ?
   अ) पानी ब) दूध स) मेघ
3. सबका मन कौन हर लेता है ?
   अ) तरुवर ब) धरती स) आकाश
4. तन–मन पुलकित कौन कर देता है ?
   अ) सितारे ब) पवन स) आग
5. औरों की पीड़ा को हरना मानव का कौन–सा धर्म है ?
   अ) उत्तम ब) श्रेष्ठ स) परम

ख) निम्नलिखित शब्दों के समानतुक वाले शब्द लिखिए–

1. आकर 2. देते

पाठ से संबंधित

प्र03 निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ते हुए पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

शिवाजी के मुख से इस तरह के शब्द सुनकर अहमद की पुत्रवधू पालकी से बाहर निकलकर एक ओर खड़ी हो गई। शिवाजी ने उसकी ओर निहारा, किंतु उसी क्षण अपनी नजरें झुका लीं। फिर अहमद की पुत्रवधू से कहा–'' क्षमा करें, मेरे सेनापति की मूर्खता की वजह से आपको आज इस तरह के अपमान का शिकार होना पड़ा। मैं आपके इस रूप–सौंदर्य की केवल प्रशंसा या पूजा ही कर सकता हूँ। परस्त्री मेरे लिए माँ के समान है।''सेनापति सोनदेव अपनी इस भूल पर पानी–पानी हुए जा रहे थे। वे जमीन में नजर गाड़े बुत की भांति खड़े थे। शिवाजी बोले–'' सोनदेव, तुमने जो अपराध किया है, वह क्षमा के काबिल नहीं

है। आज तुमने मेरा सिर लज्जा से झुका दिया। सूबेदार अहमद की पुत्रवधू हमारी भी बेटी है। इन्हें सम्मानपूर्वक इनके घर तक पहुँचाने का प्रबंध करो।'' शिवाजी की उदारता और उसकी सम्मान भावना को देखकर अहमद की पुत्रवधू की आँखों से अश्रुधारा फूट पड़ी और उसका सिर श्रद्धा से झुक गया। उसने शिवाजी से केवल ये शब्द कहे–'' शिवाजी, आप सच्चे वीर हैं।''

क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. शिवाजी ने अहमद की पुत्रवधू से क्या कहा ?
2. शिवाजी ने सेनापति सोनदेव से क्या कहा ?

ख) सही (✔) या गलत (✘) का निशान लगाइए–

1. सेनापति सोनदेव अपनी इस भूल पर खुश हो रहे थे। ( )

प्र04 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क) सेनापति सोनदेव ने कौन–सा अपराध किया था ?

ख) अनिल ने चमनलाल से क्या वादा किया ?

ग) तपस्वी महक के लिए योग्य वर की तलाश में क्यों जुट गए ?

प्र05 निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

क) कहार ..... रखकर बाहर चले गए।

ख) आज तुमने मेरा सिर ..... से झुका दिया।

ग) जवान और ..... बेटी को देखकर तपस्वी फूला नहीं समाते थे।

प्र06 निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

क) विजय ख) लज्जित ग) रवैया

घ) अनुपम ड) वर च) सिलसिला

प्र07 सही विकल्प चुनकर लिखिए–

क) शिवाजी ने गले से किसे लगाया ?

अ) मोरोपंत ब) सोनदेव

ख) गोकुल को अनिल का कर्ज चुकाने में कितना समय लगा ?

अ) दस मास ब) छह मास

ग) तपस्वी ने कन्या को शिक्षा क्यों दी ?

अ) अयोग्य बनाने के लिए ब) योग्य बनाने के लिए

प्र08 निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहे ?

क) '' सेनापति सोनदेव ने कल्याण का दुर्ग जीत लिया। ''

ख) '' शिवाजी, आप सच्चे वीर हैं। ''

प्र09 निम्नलिखित शब्दों में ' इत ' प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए–

क) लज्जा + इत ख) भ्रम + इत

प्र010 निम्नलिखित कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

क) दिन में राह बताता सूरज, ... ,
..... , करता हमसे बात।
हम ऐसे हरदम चलते हैं, ... ,
..... , आँधी से, तूफान से।

ख) मंजिल पर ही रुकना हमको, ...,

..... हमें कभी मजबूर।

हमको अपनी मंजिल प्यारी, ...,

....., आँधी से, तूफान से।

व्याकरण से संबंधित

प्र011 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित क्रिया विशेषण शब्दों के भेद लिखिए–

क) सुहाना शांतिपूर्वक पढ़ रही है।

ख) देवांश दिल्ली से कल लौटा।

ग) आकांक्षा वहाँ बैठी है।

घ) आभा बहुत बोलती है।

प्र012 निर्देशानुसार वाक्य पूरे कीजिए–

क) अनिरुद्ध ..... पढ़ता है। (कालवाचक)

ख) राधा दुकान के ..... खड़ी है। (स्थानवाचक)

ग) हवा ..... चल रही है। (रीतिवाचक)

घ) मैं जंक फूड ..... खाता हूँ। (परिमाणवाचक)

प्र013 कोष्ठक में दिए गए उचित भिन्नार्थक शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

क) मेरा सारा ..... चोरी हो गया। (समान/सामान)

ख) नदी के ..... पर ठंडी हवा चलती है। (कूल/कुल)

ग) हमारी कक्षा के ..... बहुत समझदार हैं। (छत्र/छात्र)

घ) सुबह–सुबह ताजी ..... चलती है। (अनिल/अनल)

प्र014 निम्नलिखित भिन्नार्थक शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

क) अलसी	ग) अवधि
आलसी	अवधी
ख) शाम	घ) नीर
श्याम	नीड़

प्र015 कोष्ठक में दिए गए उचित अनेकार्थी शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

क) मैं ग्रीष्म ..... की छुट्टियों में हिमाचल घूमने गया।

काल (मृत्यु)/काल (समय)

ख) अध्यापिका जी ने हमें पाठ का ..... समझाया।

अर्थ (मतलब)/अर्थ (धन)

ग) माता–पिता की ..... हमेशा अपने बच्चों पर रहती है।

नजर (भेंट,उपहार/ नजर (दृष्टि)

घ) सीमा का ..... बहुत सुरीला है।

स्वर (आवाज)/ स्वर (वर्णमाला के अक्षर)

प्र016 निम्नलिखित अनेकार्थी शब्दों के दो अर्थ लिखकर उनसे वाक्य बनाइए–

क) गुरु ख) अंबर

ग) शब्द घ) पद

प्र017 निम्नलिखित वाक्यों में विराम चिह्न लगाते हुए चिह्न का नाम लिखिए–

क) शाबाश तुमने तो कमाल का खेला।

ख) आज पं राधेश्याम जी हमारे घर आएँगे।

ग) भागीरथी गंगा भारत की पवित्र नदी है।

घ) मैं धीरे धीरे चलता हूँ।

प्र018 निम्नलिखित विराम चिह्नों के वाक्य बनाइए–

क) योजक ख) अल्प विराम

ग) कोष्ठक घ) लाघव

प्र019 कोष्ठक में दिए गए उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

क) नृत्य का अभ्यास करते–करते मेरा ..... हो गया।
(अंग–अंग ढीला होना/आँख लगना)

ख) रुद्राक्ष अपने माता–पिता की ..... है।
(खून खौलना/आँखों का तारा)

ग) कठिन प्रश्नों का उत्तर देना मेरे ..... है।
(बाएँ हाथ का खेल/नीचा दिखाना)

घ) दौड़ प्रतियोगिता में हमारी टीम को ..... पड़ी।
(हवा से बातें करना/मुँह की खाना)

प्र020 निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उन्हें अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

क) पीठ थपथपाना ख) आँख लगना

ग) कान भरना घ) हवा से बातें करना

रचनात्मक लेख

प्र021 ''मीठी वाणी अनमोल धन है'' विषय पर एक अनुच्छेद सहायक सूची के माध्यम से लिखिए।
(शब्द सीमा 80–90)

सहायक सूची– सफलता एवं सम्मान, कठिन कार्य, संभव, प्रिय एवं अप्रिय, आकर्षण, शत्रु–मित्र, कड़वे बोल, दुखदायी, मीठे बोल, वश में होना

प्र022 अपने विद्यालय में मनाए गए वार्षिकोत्सव के बारे में बताते हुए अपने भाई को पत्र लिखिए।